Exam. Code : 216304
Subject Code : 5085

M.A. (Hindi) 4th Semester

ADHUNIK GADH SHAITYA

Paper—XVII

Time Allowed—2 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :– कोई भी **चार** प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) कवि स्वभाव से ही उच्छृंखल होते हैं, वे जिस तरफ झुक गये, झुक गये। जी में आया तो राई का पर्वत कर दिया, जी में न आया तो हिमालय की तरफ भी आँख उठाकर न देखा। यह उच्छृंखलता या उदासीनता सर्वसाधारण कवियों में देखी ही जाती है। आदि कवि तक इससे नहीं बचे। क्रौंच पक्षी के जोड़े में से एक पक्षी का निषाद द्वारा वध किया गया देख जिस कवि शिरोमणि का हृदय दु:ख से विदीर्ण हो गया।

(ख) पर कौन-सी अड़चन ? ..... उसके हाथ में छलक गई चाय की प्याली या उसके दफ्तर से लौटने आधा घंटे की देर– ये छोटी-छोटी बातें अड़चन नहीं होती, मगर अड़चन बन जाती हैं। एक गुबार-सा है जो हर वक्त मेरे अन्दर भरा रहता है और मैं इंतजार में रहती हूँ जैसे कि कब कोई बहाना मिले जिससे उसे बाहर निकाल लूँ।

(ग) शिक्षा-विभाग के इन्स्पेक्टर जाइल्स विद्यालय का निरीक्षण करने आये थे। उन्होंने पहली कक्षा के विद्यार्थियों को अंग्रेजी के पाँच शब्द लिखाये। उनमें एक शब्द 'केटल' (Kettle) था। मैंने उसके हिज्जे गलत लिखे थे। शिक्षक ने अपने बूट की नोक मारकर मुझे सावधान किया। लेकिन मैं क्यों सावधान होने लगा ? मुझे यह ख्याल ही नहीं हो सका कि शिक्षक मुझे पास वाले लड़के की पट्टी देखकर हिज्जे सुधार लेने को कहते हैं।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मानव शरीर में पेट का स्थान नीचे हैं, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानान्तर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है– गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

(ख) शुक्र नहीं मानते कि इतना बड़ा आदमी, सिर्फ एक बार कहने भर से.... मैं नहीं शुक्र मनाता ? जब-जब किसी नये आदमी का आना शुरू होता है यहाँ, मैं हमेशा शुक्र मानता हूँ। पहले जगमोहन आया करता था। फिर मनोज आने लगा था।

(ग) मेरी समझ में आया कि आत्महत्या विचार करना सरल है, आत्महत्या करना सरल नहीं। इसलिए कोई आत्महत्या करने की धमकी देता है, तो मुझ पर उसका बहुत कम असर होता है, अथवा यह कहना ठीक होगा कि कोई असर

होता ही नहीं। आत्महत्या के इस विचार का परिणाम यह हुआ कि हम दोनों जूठी बीड़ी चुराकर पीने की और नौकर के पैसे चुराकर बीड़ी खरीदने और फूंकने की आदत भूल गये।

3. रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा रचित निबन्ध 'गेहूँ बनाम गुलाब' की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध 'अशोक के फूल' की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
5. 'आधे-अधूरे' नाटक की विचारधारा को विवेचित कीजिए।
6. 'आधे-अधूरे' नाटक की भाषागत उपलब्धियों को स्पष्ट कीजिए।
7. आत्मकथा के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके तत्वों पर प्रकाश डालिए।
8. 'मेरी आत्मकथा' के संदर्भ में गाँधी जी के व्यक्तित्व का विश्लेषण कीजिए।